नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

...तो मॉडल स्टेट बन सकता है मध्य प्रदेश!

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण के बदले मिलने वाले मुआवजे को दो गुना से बढ़ाकर चार गुना करना एक साहसिक और दूरगामी प्रभाव वाला निर्णय है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में लिया गया यह फैसला केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि किसानों के साथ विश्वास बहाली का प्रयास भी है. लंबे समय से भूमि अधिग्रहण को लेकर किसानों में जो असंतोष और आशंका थी, उसे दूर करने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण माना जाएगा.

भूमि अधिग्रहण हमेशा से विकास और आजीविका के बीच टकराव का कारण रहा है. एक ओर सरकार को सड़कों, सिंचाई परियोजनाओं, रेलवे और अन्य बुनियादी ढांचे के लिए जमीन चाहिए, वहीं दूसरी ओर किसान अपनी पैतृक भूमि खोने के डर से विरोध करते हैं. ऐसे में मुआवजे की राशि ही वह निर्णायक तत्व बनती है, जो इस टकराव को कम या ज्यादा कर सकती है. अब जब सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार मूल्य का चार गुना मुआवजा देने का प्रावधान किया है, तो यह संकेत स्पष्ट है कि विकास की कीमत किसानों के हितों को नजरअंदाज कर नहीं चुकाई जाएगी.

इस निर्णय का एक बड़ा सकारात्मक पहलू यह है कि यह उन परियोजनाओं को गति दे सकता है, जो लंबे समय से भूमि विवादों में उलझी हुई थीं. केन-बेतवा लिंक परियोजना जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में किसानों के विरोध के कारण देरी हो रही थी. अधिक मुआवजा मिलने से अब किसानों के स्वेच्छा से भूमि देने की संभावना बढ़ेगी, जिससे विकास कार्यों में तेजी आएगी और राज्य की आधारभूत संरचना मजबूत होगी.

हालांकि, इस फैसले के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हैं. सबसे पहले, राज्य के वित्तीय बोझ में उल्लेखनीय वृद्धि होगी. लोक निर्माण विभाग का मुआवजा खर्च 10,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है. ऐसे में सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि यह अतिरिक्त व्यय राज्य की वित्तीय स्थिरता को प्रभावित न करे. विकास और वित्तीय अनुशासन के बीच संतुलन बनाए रखना एक बड़ी परीक्षा होगी.

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि शहरी क्षेत्रों में मुआवजे के नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है. इससे ग्रामीण और शहरी भूमि मालिकों के बीच असमानता का प्रश्न उठ सकता है. सरकार को इस अंतर के औचित्य को स्पष्ट करना होगा, ताकि भविष्य में कोई असंतोष न पनपे.

इसके अलावा, केवल मुआवजा बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं होगा. पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन की प्रक्रिया को भी उतना ही पारदर्शी और प्रभावी बनाना होगा. किसान केवल आर्थिक मुआवजे से संतुष्ट नहीं होते, उन्हें आजीविका के वैकल्पिक साधनों और सामाजिक सुरक्षा की भी आवश्यकता होती है. यदि इन पहलुओं की अनदेखी हुई, तो असंतोष फिर से उभर सकता है.

कुल मिलाकर, यह निर्णय मध्य प्रदेश सरकार की विकास और संवेदनशीलता के बीच संतुलन साधने की कोशिश को दर्शाता है. यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया और इसके साथ पुनर्वास की मजबूत व्यवस्था जोड़ी गई, तो यह मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बन सकता है. अब असली चुनौती इस नीति को जमीन पर उतारने और किसानों का भरोसा कायम रखने की है.

पंचायती राज को नई ऊर्जा और दिशा

प्रो. एसपी सिंह बघेल

जब कोई राष्ट्र अपनी जड़ों को सींचता है, तो उसकी शाखाएं आसमान छूती हैं. भारत की वे जड़ें उसकी पंचायतें हैं और उन पंचायतों की आत्मा आज उसकी महिलाएं हैं. 24 अप्रैल 1993 को 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से जब गांवों की सरकार को संवैधानिक मान्यता मिली, तो भारतीय लोकतंत्र ने एक नया अध्याय लिखा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में पंचायती राज को नई ऊर्जा और दिशा मिली है. उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सत्ता केवल दिल्ली के गलियारों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के अंतिम गांव की दहलीज़ तक पहुंचे. विकसित भारत 2047 का विजन 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों की मजबूत नींव पर आधारित है, जो देश की लगभग 64 प्रतिशत जनसंख्या की जीवनरेखा हैं.

> **विकसित भारत 2047: गांव से होगी नई सुबह-** विकसित भारत 2047' का लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं- यह सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय संतुलन और समावेशी प्रगति का व्यापक दृष्टिकोण है. 21 राज्यों में 50 प्रतिशत महिला भागीदारी, 3 लाख करोड़ का डिजिटल लेनदेन, 23 भाषाओं में ग्रामसभा की आवाज, 16वें वित्त आयोग का ऐतिहासिक आवंटन और सशक्त पंचायत नेत्री अभियान – ये सब मिलकर विकसित भारत की नींव की ईंटें हैं.राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के इस अवसर पर देश की उन 14 लाख से अधिक महिला प्रतिनिधियों को सादर नमन, जो प्रतिदिन अपने गांव और देश को बेहतर बनाने में जुटी हैं. यही नारी शक्ति है, यही नव भारत की तैयारी है.

लोकतंत्र की पाठशाला: नारी नेतृत्व का उदय- राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 2026 एक विशेष गौरव के साथ मनाया जा रहा है. नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री जी ने पंचायती राज संस्थाओं को देश में महिला नेतृत्व की सबसे बड़ी पाठशाला बताया -यह उस वास्तविकता की स्वीकृति थी जो आज ग्रामीण भारत में प्रतिदिन घटित हो रही है.

देशभर में पंचायती राज संस्थाओं में निर्वाचित प्रतिनिधियों की कुल संख्या 32 लाख से अधिक है. वर्तमान में उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, 24,41,781 निर्वाचित प्रतिनिधियों में से 12,14,885 महिलाएं हैं, जो कुल का लगभग 49.75 प्रतिशत हैं. 21 राज्यों तथा 2 केन्द्रशासित प्रदेशों ने पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत तक आरक्षण लागू किया है. पिछले चार वर्षों में संचयी रूप से 33.50 लाख महिला प्रतिनिधियों को नेतृत्व एवं सुशासन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया है – और 2025-26 में ही 9.37 लाख महिला प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 47.7 प्रतिशत की वृद्धि है.

सशक्त पंचायत नेत्री अभियान और नारी शक्ति वंदन अधिनियम- 'सशक्त पंचायत नेत्री अभियान' महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को उनकी संवैधानिक जिम्मेदारियों, अधिकारों और नेतृत्व क्षमताओं के प्रति सजग और सक्षम बनाता है. 'महिला-हितैषी ग्राम पंचायत' और 'निर्भय रहो' जैसी पहलें महिलाओं को जमीनी लोकतंत्र में सुरक्षित और सशक्त भागीदारी के लिए प्रेरित कर रही हैं.

'निर्भय रहो' निर्भया फंड के अंतर्गत संचालित है और यह कानूनी जागरूकता, सामाजिक संवेदनशीलता एवं तकनीकी सशक्तिकरण को एकीकृत करते हुए ग्रामीण शासन में महिलाओं और बालिकाओं के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित कर रही है.नारी शक्ति वंदन अधिनियम- लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करते हुए- भारतीय लोकतंत्र में उनकी भूमिका को स्थायी और सशक्त रूप से स्थापित करता है. पंचायतों की पाठशाला में तैयार महिला नेतृत्व ही विधानसभाओं और संसद में बदलाव की वाहक बनेगी.

सोलहवां वित्त आयोग: संसाधनों में अभूतपूर्व वृद्धि- वित्तीय सशक्तिकरण किसी भी संस्था की कार्यक्षमता की आत्मा होती है. 16वें वित्त आयोग ने 2026 से 2031 की अवधि के लिए ग्रामीण स्थानीय निकायों को 4.35 लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक आवंटन किया है जो 15वें वित्त आयोग की तुलना में 84 प्रतिशत अधिक है.वित्त वर्ष 2026-27 में ही 1.40 लाख करोड़ रुपये का अनुदान आवंटित है. यह वित्तीय सुदृढ़ता पंचायतों को केवल खर्च करने की क्षमता नहीं देती, बल्कि उन्हें विकास के एजेंडा को स्वयं निर्धारित करने का आत्मविश्वास भी प्रदान करती है. स्व-स्रोत राजस्व नीति और प्रदर्शन-आधारित अनुदान ने पंचायतों में जवाबदेही और प्रतिस्पर्धा ङ्क दोनों को एक साथ प्रोत्साहित किया है.

समावेशी और पारदर्शी शासन- 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मार्गदर्शक मंत्र पंचायती राज मंत्रालय के प्रत्येक कदम का आधार है. ई-ग्राम स्वराज मंच के माध्यम से देशभर की ग्राम पंचायतों ने 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऑनलाइन भुगतान संसाधित किए हैं.

(लेखक केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री हैं.)

मध्य क्षेत्र की डायरी

चरमराई हुई है कानून व्यवस्था

दिलीप झा

मध्यप्रदेश में कानून व्यवस्था चरमराई हुई हैं और यह बात सरकार के लिए चिंता का विषय होना चाहिए. सरकार से जनता हमेशा उम्मीद रखती है कि प्रदेश में शांति और सौहार्द का माहौल बना रहे.वर्तमान में स्थिति यह है कि अपराधियों में पुलिस का खौफ नहीं है.फिल्ड में पुलिस नजर नहीं आ रही है. प्रदेश के किसी भी शहर में चले जाएं पुलिस सुरक्षा को लेकर फिल्ड में मुस्तैद नहीं है. इसलिए लूट और हत्या की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग रहा है.दो दिन पहले राजधानी भोपाल के करौंदा में बदमाश ने एक पुलिसकर्मी के घर में दिनदहाड़े घुसकर महिला को लहूलुहान कर जान लेने की कोशिश की.महिला को नर्मदा अस्पताल में भर्ती कराया गया है लेकिन आरोपी तीन दिन बाद पुलिस की पकड़ में आया है.

21 अप्रैल की रात को मंडीदीप के औद्योगिक क्षेत्र सतलापुर में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई.हालांकि हत्या का आरोपी को कुछ घंटे के भीतर पकड़ लिया गया लेकिन पुलिस की कार्यशैली पर सवाल जरूर उठाए जाएंगे कि अपराधियों में पुलिस का खौफ क्यों नहीं है. अपराधी हत्या करने के लिए अनोखे तरीके अपना रहे हैं और मध्यप्रदेश पुलिस इसकी भनक भी नहीं लगती. 22 अप्रैल को शिवपुरी जिला के कोलारस अनुविभाग के तेंदुआ थाना में तीन नकाबपोश बदमाशों ने एक महिला को उसकी सात साल की पोती के सामने गोली मारकर हत्या कर दी. हत्यारे ने शादी का कार्ड देने के बहाने 67 वर्षीय रामसखी धाकड़ के पैर छुए और फिर कनपटी पर गोली मार दी.अभी तक पुलिस हत्या के आरोपियों को पकड़ नहीं पाई है.

खासकर भोपाल में थाने पुलिस के सामने बदमाश लूट जैसी घटना को अंजाम देकर भाग जाते हैं और पुलिस उनका कुछ नहीं कर पाती है.22 अप्रैल की सुबह चूना भट्टी थाने से सटे स्वर्ण जयंती पार्क में टहल रही एक रिटायर्ड महिला बैंककर्मी के गले से बदमाशों ने चैन झपट ली.महिला ने शोर मचाया लेकिन तब तक बदमाश फरार हो गया. अभी तक आरोपी को पुलिस पकड़ नहीं पाई है. मतलब सुबह में टहलना भी अब सुरक्षित नहीं है.

इसी तरह चैन स्नैचिंग की घटना भी नहीं रुक रही है. यह सर्वविदित है कि इन अपराध के पीछे नशे के सौदागरों का हाथ है.पुलिस को पता है कि शहर में नशे की पुड़िया कहां कहां बेची जाती है.लेकिन इसके बावजूद पुलिस कार्रवाई करने से हिचकती है अथवा अपराधियों से सैटिंग कर लेती है.ऐसे में पुलिस अपराधियों पर अंकुश लगाने का साहस कैसे दिखाएगी, यह एक बड़ा सवाल है और इसका समाधान पुलिस प्रशासन के आला-अधिकारियों को जरूर ढूंढना चाहिए क्योंकि कानून व्यवस्था डिरेल हो रही है.कानून व्यवस्था को सुचारु बनाए बिना बेहतर शासन प्रशासन की कल्पना हो ही नहीं सकती.

पैसे के लिए शराब की दुकान कहीं भी खोल देंगे

हर साल प्रदेश के कई जिलों में शहर के मुख्य बाजार ,चौराहे, स्कूल और मंदिरों के पास शराब की दुकानें खोल दी जाती हैं. क्या सरकार पैसे के लिए कुछ भी और कहीं भी शराब की दुकानों को खोल देगी.भोपाल की बात करें तो अरेरा कॉलोनी, गुलमोहर कॉलोनी, अवधपुरी, कोलार रोड, नरेला, ईंटखेड़ी, प्रोफेसर कॉलोनी से शराब की दुकानों को हटाने की लोग मांग कर रहे हैं. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भी आंदोलन कर रही है कि इन स्थानों से शराब की दुकानों को हटाई जाए.फिर यह बात सरकार को समझ में क्यों नहीं आ रही है.

सिलेंडर की कालाबाजारी रोकने सख्त कार्रवाई करिए

पूरे मध्य प्रदेश में सिलेंडर गैस की किल्लत अभी भी है.भोपाल के गांधीनगर और करौंद में लोगों ने गैस एजेंसियों के खिलाफ प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जाहिर किया है. सरकार दावे कर रही है कि रसोई गैस की किल्लत नहीं है लेकिन हकीकत यह है कि लोगों को सिलेंडर के लिए बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.कई जिलों से खबरें आ रही है कि कालाबाजारी के कारण लोग 2000-3000 रुपये में सिलेंडर लेने के लिए बाध्य हैं? कहीं सुनवाई नहीं हो रही हैं. प्रशासन को चाहिए कि गैस एजेंसियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई करें ताकि कालाबाजारी पर रोक लगाई जा सके.

देश के कारखाने इतने असुरक्षित क्यों?

सिर्फ 1 सप्ताह के भीतर देश के कारखानों में हुए 3 बड़े धमाकों में 60 से ज्यादा श्रमिकों को जान गंवानी पड़ी. इनमें वेदांता का बॉयलर विस्फोट, तमिलनाडु व केरल की पटाखा फैक्ट्रियों में ब्लास्ट का समावेश है. दिल्ली में भी एक जूते का कारखाना अग्निकांड की भेंट चढ़ गया. एचपीसीएल की रिफाइनरी में उदघाटन के पहले ही आग लग गई. यह कहना बेमतलब है कि गर्मी के मौसम में आग लगने और भड़कने की घटनाएं ज्यादा होती हैं. अहम मुद्दा है कारखानों या फैक्ट्री में सुरक्षा का! यदि सुरक्षा प्रोटोकॉल को कड़ाई से अमल में लाया जाए तो ऐसे जानलेवा हादसों को टाला जा सकता है. फैक्ट्री परिसर में कोई भी ज्वलनशील पदार्थ बाहर से नहीं लाया जाना चाहिए. माचिस, सिगरेट, बीड़ी पर पूर्ण प्रतिबंध का पालन आवश्यक है. वहां की विद्युत प्रणाली पर ज्यादा भार न पड़े. शॉर्ट सर्किट के प्रति सावधानी बरती जाए. बगैर पर्याप्त सुरक्षा के कोई खतरनाक केमिकल वहां न रखा जाए. दिल्ली में 2019 में एक फैक्ट्री की आग में वहां सोए 43 श्रमिकों की मौत हो गई थी. यह एक भयानक अग्निकांड था. कारखानों के बॉयलर की नियमित जांच हो. उनमें कोई दरार आने या रिसाव होने से भयानक ब्लास्ट हो सकता है. फैक्ट्री इंस्पेक्टर या बॉयलर निरीक्षक अच्छी तरह निगरानी व निरीक्षण करें. बॉयलर की दुरुस्ती तक फैक्ट्री बंद रखी जाए. 2020 में दिल्ली में हालत यह थी कि 973 फैक्ट्रियों पर केवल 1 इंस्पेक्टर तैनात था. 2012 से 2020 के बीच निरीक्षण काफी कम रहा. बगैर पर्याप्त जांच के फिटनेस प्रमाणपत्र नहीं देना चाहिए. 2017 में किए गए अध्ययन से पता चला था कि भारत में कारखानों की दुर्घटना में हर वर्ष 48,000 श्रमिकों की मौत होती है. सरकार ने इसे गलत बताते हुए कहा था कि हर वर्ष 1,109 श्रमिकों की मौत होती है. यह तो रजिस्टर्ड फैक्ट्रयों की बात है. लगभग 90 प्रतिशत श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में काम करते हैं, जहां सुरक्षा उपाय नहीं के बराबर रहते हैं. अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने भारत को श्रमिकों के लिए सर्वाधिक असुरक्षित देश बताया है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

चुनाव में प्रतिस्पर्धा कड़ी पीएम मोदी ने खाई झालमुड़ी

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज हमारे देश में स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों की इतनी विविधता है जितनी दुनिया में कहीं नहीं होगी. हर राज्य की अपनी-अपनी खास डिशेज हैं. छप्पन भोग छत्तीसों व्यंजन हमारी खासियत है. काश्मीर से कन्याकुमारी तक और गुजरात से बंगाल तक जायके का सफर आपको खुश कर देगा.'

हमने कहा, 'आप प्रधानमंत्री मोदी के चुनावी सफर के दौरान मूड फ्रेश करने के लिए खाई गई झालमुडी की चर्चा कीजिए. खिचड़ी, खाखरा, फाफड़ा, दाबेली जैसे गुजराती भोजन के शौकीन मोदी ने बंगाल के झारग्राम में बिक्रम साव के चटपटा स्टोर में अचानक पहुंचकर झालमुडी खरीदी और खाई. देश में डिजिटल पेमेंट का प्रचार करने वाले पीएम ने कैश 10 रुपए पेमेंट किया.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जब मोदी ने इसे खाया तो देखादेखी बीजेपी के सारे नेता-कार्यकर्ता भी इसे खाने लगेंगे. पार्टी अब चाय पे चर्चा की बजाय झालमुडी पर चर्चा शुरू कर देगी. देश में जगह-जगह इसके स्टॉल लग जाएंगे. अब आप हमें झालमुडी की रेसिपी या तैयार करने की विधि बताइए ताकि हम खुद खाएं और आपको भी खिलाएं.'

हमने कहा, 'एक बड़ा सा बाउल या कटोरा लीजिए. उसमें मुरमुरा, बारीक कटी प्याज, कूटी हुई हरी मिर्च, सरसों का तेल डालिए. इसे अच्छे से मिलाकर नींबू का रस निचोड़िए. हो गई झालमुडी तैयार. फिर ममता या मोदी का नाम लेकर इसका स्वाद चखिए.'

पड़ोसी ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने झालमुडी खाकर देश की जनता को संकेत किया है कि वह सिलेंडर न मिलने से बेचैन न हो. कुछ भी पकाने की जरूरत नहीं. झालमुडी खाओ, भाजपा के गुण गाओ. झालमुडी में कोई झोल या लोचा नहीं है. यह सस्ती और सुलभ है. इसमें न्यूट्रीशन है जो हमारे नेशन को बल प्रदान करेगा. इसके अलावा झालमुडी के रूप में मुरमुरा खाओ तो पेट भरा-भरा महसूस होता है. मैगी, आलू चिप्स, वेफर्स, केक, पेस्ट्री, बिस्किट मत खाओ. झालमुडी खाओ और काम पर जाओ. यदि कोई आपसे पूछे कि आज आपका मूड इतना अच्छा क्यों है तो उसकी ओर मुड़कर कहिए कि आज मैंने झालमुडी खाई है.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12239
-डॉ. सागर खादीवाला

1		2	3	■	4		5
	■	6		7		■	
8	9		■	10		11	
12		■	13	■	14		■
■	■	■	15	16		■	17
18	19	20	■		■	21	
22			23	■	24		
	■	25				■	

बाएं से दाएं
1. वस्तु की ऊपरी सतह जला देना, अधजला कर देना 4. फड़कने की क्रिया, स्पंदन, स्फुरण 6. मोटे दल या परत वाला 8 वाचाल, अधिक बोलने वाला (सं.) 10. समान होने का भाव, तुल्यता, बराबरी 12. मेंढक की बोली, अकड़, घमंड की बात 14. वांछित, अभिप्रेत, पूजित 15. आज्ञा 18. घायल, जख्मी 21. पितामह, दादा 22. वन में वृक्षों की परस्पर रगड़ से आप से आप उत्पन्न होने वाली आग 24. लकवा, पक्षाघात (उर्दू) 25. आमोद-प्रमोद

ऊपर से नीचे
1. घनी झाड़ियों का समूह 2. आदर के साथ, आदरयुक्त 3. गर्भाशय एवं गर्भस्थ शिशु की नाभि से जुड़ी रहने वाली नली 4. आज्ञा रूप में कुछ मांगना (उर्दू) 5. शायरी 7. सेवक, नौकर, गुलाम 9. गधा, मूर्ख 11. जिसका नाश हो गया हो 13. हृदय, बर्बाद, छाती 16. देने की क्रिया या भाव, प्रदत्त या प्राप्त वस्तु 17. अनुमति, आज्ञा (उर्दू) 18. लेना, ग्रहण करना 19. पवन, वायु 20. अभिमानपूर्वक रुष्ट होना, खिंचाव आदि के कारण अपने पूरे विस्तार पर पहुंचना 21. सखी, सहेली, भ्रमरी (सं.) 23. लचकने की क्रिया या भाव 24. फाल्गुन मास का आनंदोत्सव या उस उत्सव में गाया जाने वाला गीत

Solution 12238

त	ल	वा	र	बा	ज	■	ब
ला	■	म	■	बा	र	दा	ना
श	ब	न	म	■	क	स	र
■	ता	क	ना	■	श	■	स
का	ना	■	■	दु	■	भ	■
र	■	व्या	या	म	■	ग	त
खा	न	पा	न	■	ज	वा	ब
ना	ग	र	■	ग	ब	न	■

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में मित्र अथवा व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा. स्वास्थ्य गड़गड़ रहेगा. शासन से लाभ का योग है. वर्ष के मध्य में शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा. भोग विलास में धन व्यय होगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. व्यर्थ के वाद विवाद से बचें. यात्रा से कष्ट होगा. शारीरिक चिन्ता और मानसिक कष्ट होगा. पारिवारिक परेशानी में वृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के लिये शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा. स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा. शासन से लाभ का योग है. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का स्वजनों से मतभेद रहेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को मित्र के कारण सहयोग प्राप्त होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को संयम से काम लेना चाहिये. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता में संलग्नता रहेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को नौकरी में परेशानी के बाद लाभ प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिये बालक का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, मान प्रतिष्ठा अच्छी होगी, शिक्षा उत्तम रहेगी, नौकरी में इनको अच्छी सफलता मिलेगी, परोपकारी कार्यो में अच्छी रूचि रहेगी, पिता का भक्त होगा, व्यापार में रूचि रहेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

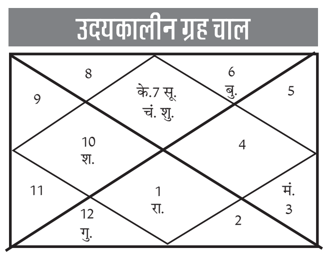

पंचांग

रा.मि. 05 संवत् 2083 वैशाख शुक्ल नवमीं शनिवासरे रात 9/44, आश्लेषा नक्षत्रे रात 11/18, गण्ड योगे रात 2/48, बालव करणे सू.उ. 5/35, सू.अ. 6/25, चन्द्रचार कर्क रात 11/18 से सिंह, पर्व- श्रीसीता नवमीं, शु.रा. 4,6,7,10,11,2 अ.रा. 5,8,9,12,1,3 शुभांक- 6,8,2.

व्यापार भविष्य

वैशाख शुक्ल नवमीं को आश्लेषा नक्षत्र के प्रभाव से रूई, कपास, के भाव में उठाव आयेगा, सोना, चांदी, में मंदी की चाल रहेगी, गुड़, खांड़, कपास के भाव में समता रहेगी, हाजिर मार्केट में आज के भाव महत्वपूर्ण रहेंगे, भाग्यांक 2818 है.

मेष- अधिकारियों की अनदेखी से मुश्किल हो सकती है, अटका धन वसूल कर लेंगे, शत्रु वर्ग पराजित होगा, प्रियजनों के कारण भावनात्मक पीड़ा होगी.

वृषभ- भाग्यवृद्धि के अवसर मिलेंगे, सहकर्मियों के असहयोग से तनाव बढ़ सकता है, प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, शिक्षा आदि से संबंधित कार्य अधूरे रहेंगे.

मिथुन- मित्रों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनेगा, बुजुर्गो के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, प्रिय मित्र से भेंट होगी, कोर्ट कचहरी के कार्यो में सफलता मिलेगी.

कर्क- सकारात्मक सोच से उलझे मामले सुलझेंगे, मांगलिक कार्य में आपकी उपस्थिति सुखद रहेगी, आलस्य को त्यागें, निजी कार्य बनने से प्रसन्नता होगी.

सिंह- कोर्ट कचहरी के मामले पक्ष में हल होंगे, धैर्य से काम लें, खर्च की अधिकता रहेगी, आय से अधिक धन व्यय होगा, आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है.

कन्या- आप अपनी गलती मानने की बजाय दूसरों को दोष देंगे, जिससे संबंध बिगड़ सकते हैं, व्यर्थ की चिन्ता तथा मानसिक तनाव रहेगा, सावधानी रखकर कार्य करें.

तुला- भावावेश में नुकसान हो सकता है, धैर्य और शशांति से कार्य करें, यात्रा हो सकती है, आय से अधिक धन व्यय होगा, कामकाज में शिथिलता रहेगी.

वृश्चिक- भावनाओं पर काबू रखें, लोग मजाक उड़ायेंगे, पारिवारिक मामलों में सबकी बात सुनें, नवीन योजनाओं का विस्तार होगा, आशातीत सफलता के योग हैं.

धनु- जीवनसाथी के व्यवहार से खिन्नता होगी, सूझबूझ का लाभ होगा, नौकरी एवं राजनैतिक कार्यों में सफलता मिलेगी, मांगलिक कार्य बनेंगे.

मकर- कार्य को समय पर पूरा कर लें, लाभ होगा, मामूली बात से रिश्ते में गलतफहमी हो सकती है, संतान पक्ष से सुख मिलेगा, आपके मनोबल से कार्य बनने का योग है.

कुम्भ- विरोधियों से निपटने के लिये कूटनीति से काम लें, प्रियजन से मुलाकात होगी, उत्सव समारोह में सम्मिलित होने के अवसर मिलेंगे.

मीन- मेहमानों की आवाजाही रहने से व्यस्त रहेंगे, पूर्व में की गई मेहनत का लाभ मिलेगा, पारिवारिक सुख एवं आनन्द बना रहेगा.

SUDOKU 7371

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7370

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1